प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 04/2020)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 08 जनवरी, 2020

तुरंत जारी करने हेतु **वेबसाइटः www.trai.gov.in**

"30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए **"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"** जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जुलाई, 2019 से 30 सितंबर, 2019 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जुलाई से सितंबर, 2019

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2019 के अंत में 1,186.63 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 1,195.24 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.73 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई. ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 0.32 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 30 जून, 2019 को 90.11 से बढ़कर 30 सितंबर, 2018 को 90.52 रहा।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

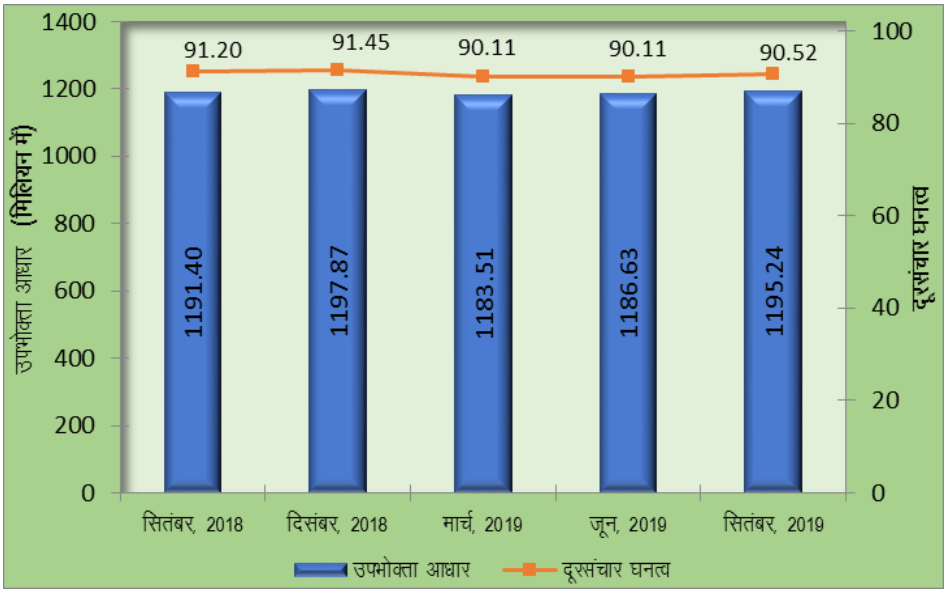

2. जून, 2019 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 675.58 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 677.95 मिलियन हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 160.78 से घटकर 160.63 हो गया। इस तिमाही के दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 511.05 मिलियन से बढ़कर 517.29 मिलियन हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 56.99 से बढ़कर 57.59 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2019 के अंत तक 43.07 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत तक 43.28 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

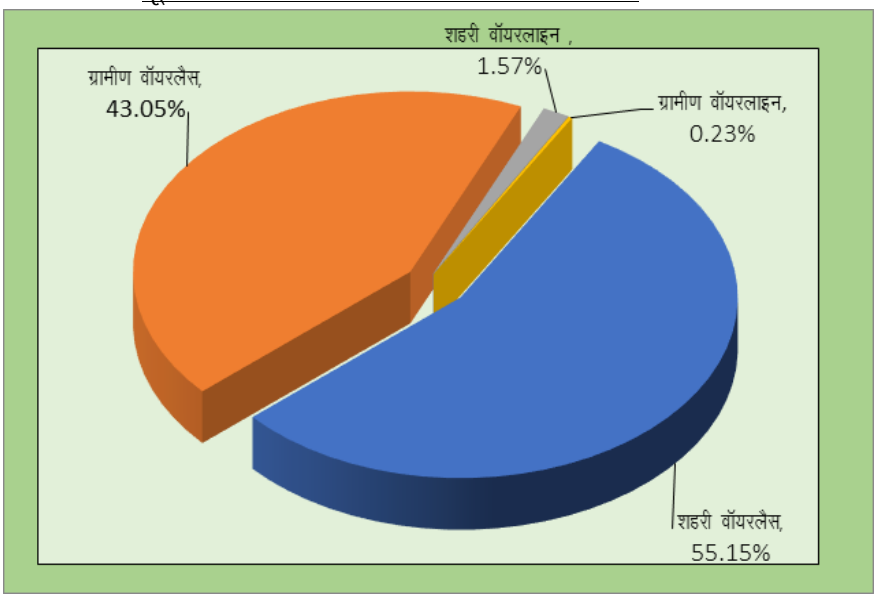

4. इस तिमाही के दौरान 8.29 मिलियन वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ ही जून, 2019 के अंत तक कुल वॉयरलेस (जीएसएम एलटीई सहित+सीडीएमए) उपभोक्ताओं की संख्या 1,165.46 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत तक 1,173.75 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.71 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वार्षिक आधार पर वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 0.38 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

5. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.45 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि के साथ जून, 2019 के अंत में 88.50 से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 88.90 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2018 के अंत में 21.17 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 21.49 मिलियन हो गया जिसमें 1.52 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। हालांकि सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 2.81 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व जून, 2019 के अंत में 1.61 से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 1.63 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2019 के अंत में 665.31 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 687.62 मिलियन हो गई जिसमें 3.35 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 687.62 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 22.26 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 665.37 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

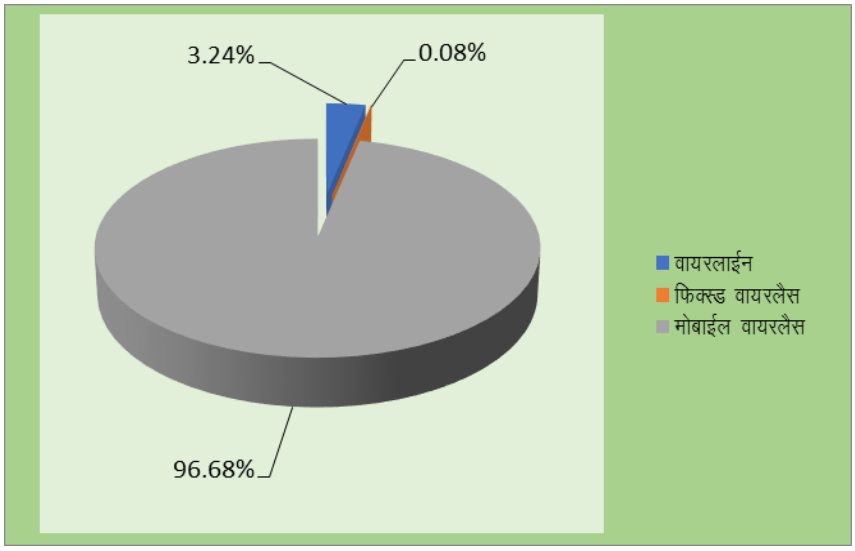

10. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2019 के अंत में 594.58 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2019 के अंत में 625.42 मिलियन हो गई जिसमें 5.19 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2019 के अंत में 70.72 मिलियन से घटकर सितंबर, 2019 के अंत में 62.20 मिलियन रही जिसमें 12.05 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

12. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 0.11 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2019 को समाप्त तिमाही के 74.30 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 74.38 रुपए हो गया। इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 10.37 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

13. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू जून, 2019 को समाप्त तिमाही में 66 रुपए से बढ़कर 67 रुपए हो गया जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू 253 रुपए से घटकर 247 रुपए हो गया।

14. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह जून, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए 701 मिनट से घटकर सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए 691 मिनट हो गया।

15. वायरलेस प्रीपेड सेवा के लिए जून, 2019 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह 705 मिनट से घटकर सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 694 मिनट हो गया। पोस्ट–पेड

एमओयू भी प्रति उपभोक्ता प्रति माह जून, 2019 को समाप्त तिमाही में 626 मिनट से घटकर सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 617 मिनट हो गया।

16. सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 59,992 करोड़ रुपए तथा 37,338 करोड़ रुपए रहा। सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर तथा एजीआर दोनों में क्रमशः 2.51 प्रतिशत तथा 4.56 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई।

17. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 3.74 प्रतिशत तथा 3.31 प्रतिशत दर्ज की गई।

18. सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 22,411 करोड़ रुपए से बढ़कर 22,654 करोड़ रुपए हो गया। पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 1.08 प्रतिशत तथा 4.47 प्रतिशत रही।

19. जून, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,133 करोड़ रुपए से घटकर सितंबर, 2019 में 2,989 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः –4.59 प्रतिशत तथा 3.44 प्रतिशत रही।

20. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 74.78 प्रतिशत का योगदान दिया। सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क एवं स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में क्रमशः 0.86 प्रतिशत, 2.55 प्रतिशत, 2.56 प्रतिशत एवं 0.59 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। जबकि इसी दौरान पास–थ्रू प्रभारों में 2.33 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

21. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) जून, 2019 को समाप्त तिमाही में 80.66 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 78.17 रुपए हो गया।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

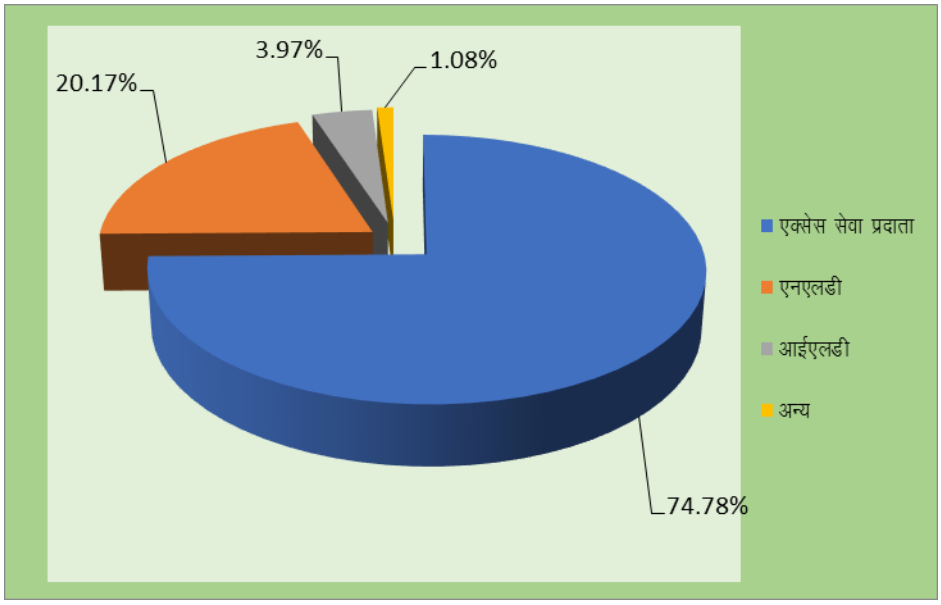

22. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• टीसीएच, आरएबी एवं ई–आरएबी कंजेशन (प्रतिशत) • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय	• बीएस समायोजित डाउनटाईम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) • डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीएस • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन/आरआरसी कंजेशन • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर स्थानीक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूएसडी 90, 90) (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर कालिक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूटीडी 97, 90) (प्रतिशत) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/ समायोजन किये जाने की अवधि • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• पांच दिनों के अंदर ठीक की गई खामियों का प्रतिशत (शहरी क्षेत्रों के लिए) • खामियों की संख्या – प्रति 100 उपभोक्ताओं में प्रतिमाह खामियों की संख्या • खामियां ठीक होने का औसत समय – एम टी टी आर • ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • सेवा समाप्ति/बंद – 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत

24 दिनांक 31.10.2019 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केवल अपलिकिंग/ केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये 910 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

25. नये टैरिफ आदेश (ब्रॉडकास्टिंग एवं केबल) दिनांक 3 मार्च, 2017 के तत्वाधान में प्रसारण सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राधिकरण में दिये गये रिपोर्ट के अनुसार, 30 सितंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार कुल 330 पे–टीवी चैनल थे। इन 330 पे–टीवी चैनलों में 232 एसडी पे–टीवी चैनल एवं 98 एचडी पे–टीवी चैनल शामिल है।

26. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। देश में पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या सितंबर, 2019 के अंत में 4 थी।

27. देश में पे–डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 30 सितंबर, 2019 को लगभग 69.30 मिलियन हो गया है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

28. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 30 जून, 2019 को 33 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 104 शहरों में कार्यरत 366 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 30 सितंबर, 2019 को 33 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 104 शहरों में कुल 367 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

29. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 30 जून, 2019 को समाप्त तिमाही में 365 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 526.13 रूपये की तुलना में 30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 366 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 466.70 रूपये रहा।

30. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 सितंबर, 2019 को देश में कुल 275 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियाँ

30 सितंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलेस + वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,195.24 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.73 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	677.95 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	517.29 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	88.81 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	11.19 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	90.52
शहरी दूरसंचार घनत्व	160.63
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.59
वॉयरलेस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलेस उपभोक्ताओं की संख्या	1,173.75 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.71 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	659.18 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	514.56 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.74 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.26 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	88.90
शहरी दूरसंचार घनत्व	156.18
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.28
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	20,315 मिलियन टेराबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	59,119
वीसैट की कुल संख्या	2,97,047
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	21.49 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.52 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	18.77 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2.72 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	38.07 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	61.93 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.63
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.45
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.30
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	70,834
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	2,07,243

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	59,992 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-2.51 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	37,338 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-4.56 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	7.88 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	78.17 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	687.62 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.35 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	62.20 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	625.42 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	22.26 मिलियन
वॉयरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	665.37 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	439.99 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	247.63 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	52.08
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	104.25
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	27.57
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	910
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे–टीवी चैनलों की संख्या	330
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	367
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	69.30 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	275
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएम, एलटीई सहित)	74.38 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएम, एलटीई सहित)	691 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	197.09 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	10.37 जीबी
वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का ग्राहक के लिए औसत मूल्य	6.98 रुपए